



अमेरिका में गोरी की चूत मिली

“मेरा भाई अमेरिका में है. मैं उनके साथ न्यूयार्क गया
किसी गोरी की चुत मिलने के लालच में. शुरू में तो
मुझे कुछ नहीं मिला लेकिन एक दिन एक बुकस्टोर में
मैं सेक्सी पत्रिका देख रहा था तो... ..”

Story By: (sam malhotra)

Posted: Sunday, November 25th, 2018

Categories: [कोई मिल गया](#)

Online version: [अमेरिका में गोरी की चूत मिली](#)

अमेरिका में गोरी की चूत मिली

मेरे दोस्तों, मेरा नाम समीर मलहोत्रा है. आप लोग मुझे प्यार से सैम बुला सकते हैं. उम्र 20 साल कद 5 फुट 11 इंच. दिखने में स्मार्ट हूँ लेकिन थोड़ा शर्मीला हूँ. शायद यही कारण है कि मैं इतने दिनों तक वर्जिन रहा.

अन्तर्वासना पर यह मेरी पहली कहानी है, आशा करता हूँ कि यह सेक्स कहानी आप सभी को पसंद आएगी.

मैंने इस कहानी में वही लिखा है, जो मेरे साथ अभी कुछ दिन पहले ही हुआ है. ये कोई बहुत पुरानी कहानी नहीं है. ये आज से लगभग 25 दिन पहले शुरू हुआ था.

हम 3 भाई बहनों में मैं सबसे छोटा हूँ. मेरे बड़े भैया इंजीनियर हैं तथा यूएसए में जाँब करते हैं. पिछली बार जब वो घर आए थे, तो मैंने कहा कि मुझे भी यूएसए देखना है. पहले मैंने घर वालों को मनाया, फिर भैया को मनाया. मम्मी को चिंता थी कि जाते टाइम तो भैया के साथ चला जाएगा.. लेकिन वापस कैसे आएगा, वो भी अकेला.

लेकिन जैसे तैसे मैंने सबको मनाया और मुझे भैया के साथ भेजने के लिए तैयार किया.

सब सोच रहे थे कि मुझे यूएसए घूमने जाना है, लेकिन बात कुछ और थी. मैंने सुना था कि इधर के देशों में लड़कियां बड़े खुले विचारों वाली होती हैं तथा बड़ी आसानी से चुदाई को मिल जाती है. इसी लिए जिस दिन से भैया की नौकरी लगी थी, उसी दिन से किसी और का तो पता नहीं, लेकिन मैं बड़ा खुश था कि भैया के साथ यूएसए जाने का मौका मिलेगा और चुदाई भी मिल सकती है.

आखिर मैं अब यूएसए जा भी रहा था भैया के साथ.

मेरे भैया न्यूयॉर्क में रहते हैं. हम वहां पहुंच गए थे, भैया के साथ घूमना फिरना भी हो रहा था लेकिन यार मैंने जैसा सोचा था ना.. वैसा कुछ भी नहीं था. यहाँ आए हुए मुझे 10 दिन हो गए थे, लेकिन चुदाई तो दूर, अभी तक तो एक भी लड़की से हाथ हैल्लो तक नहीं हुई थी.

मैं घूम घूम कर भी परेशान हो गया था. इसलिए अब मैं कहीं घूमने भी नहीं जाता था. भैया जॉब पर जाते और मैं घर पे ही पड़ा रहता था. कभी कभी बाहर सड़कों पर घूमने निकल जाता था. कुल मिलाकर दिन बड़े बोरियत से निकल रहे थे और वापस जाने में अभी भी 20 दिन थे.

एक दिन भैया को किसी बुक स्टोर से कोई किताब लानी थी तो उन्होंने मुझसे फोन पर कहा कि ला देगा क्या ?

मैंने कहा- ठीक है.

भैया ने गूगल मैप्स पे बुकस्टोर का एड्रेस भेज दिया.. और मैं किताब लाने चल दिया.

मैं स्टोर में पहुंच गया और मुझे किताब भी मिल गयी. वो बुक स्टोर किसी लाइब्रेरी जैसा था. काफी बड़ा था और लाइब्रेरी की तरह उसमें किताबें जमी हुई थीं. मैंने सोचा कि घर जाकर वैसे भी बोर ही होना है, अब यहाँ आ ही गए हैं तो क्यों ना पूरा बुकस्टोर घूम लिया जाए.

यार अन्तर्वासना की कहानियां पढ़ पढ़ कर मुझे ऐसा लगने लगा था कि पता नहीं, कब और कहां चूत मिल जाए.

तो इसी चक्कर में मैंने बुकस्टोर के चक्कर लगाने शुरू कर दिए. वहां एक एडल्ट सेक्शन भी था, जिसमें एडल्ट मैगजीन एडल्ट बुक्स वगैरह थीं. तो मैं उधर जाके एक मैगजीन

खोल के पढ़ने लगा.

मैगजीन का नाम याद नहीं शायद प्लेबॉय थी. उसमें एक लड़की का बड़ा सा पोस्टर था, जो उसके पन्नों के बीच में मोड़ के लगा हुआ था, जैसे किसी किसी लोकल गाइड बुक में शहर का बड़ा सा नक्शा घड़ी किया हुआ लगा होता है, जो खुल के बहुत बड़ा हो जाता है तो मैं उस फोटो को पूरा खोल के देखने लगा. ये किसी बड़ी हॉट सी लड़की की फोटो थी. एकदम क्लीन शेव चूत और लगभग 36 सी साइज़ के बोबे तने हुए थे.

मेरे तो देखकर ही मुँह में पानी आ गया और मैं ख्यालों में ही उस लड़की के बोबे दबाने लगा. मेरा लौड़ा चड्डी में टाइट होने लग गया था और थोड़ा थोड़ा गीला भी होने लगा था.

मैं इतने बड़े साइज़ की फोटो को देख कर ख्यालों में ही उसे चोद रहा था कि तभी अचानक किसी ने पीछे से मेरे कंधे पे हाथ रखा. मेरी तो फट के चार हो गई यार.. मुझे यहाँ काफी देर हो गयी थी. मैंने सोचा कहीं भैया तो नहीं आ गए.

जल्दबाजी में पोस्टर को बंद करने और मैगजीन को बंद करने के चक्कर में वो हाथ से छूट कर नीचे गिर गयी.

तभी किसी ने पीछे से बोला- एवर हैड दैट इन रियल ? (कभी सच में भी कुछ किया है ?)

मतलब तो आप सब समझ ही गए होंगे. लाल मुँह और फटती हुई गांड के साथ मैंने पीछे देखा.

पीछे तो बड़ी हॉट लड़की खड़ी थी यार ...

ऊंची हील के जूते, पतली टांगें, स्कर्ट जिसमें से निकलती हुई उसकी गोरी टाँगें बड़ी

खूबसूरत लग रही थीं.

मैचिंग कलर का ब्लाउज नुमा टॉप, जो उसकी नाभि के थोड़ा सा ऊपर तक आ रहा था और उसके ऊपर ब्लैक जैकेट. ब्लाउज बीच में से थोड़ा सा कटा हुआ था, जिसमें से उसके बड़े बड़े मम्मों की थोड़ी सी झलक दिख रही थी.

कुल मिलकर एकदम कातिलाना लग रही थी.

“एक्सक्यूज मी...” मैंने हकलाते हुए कहा और मेरा मुँह और लाल हो गया.

वो जो अंग्रेजी में बोली वो मैं हिंदी में लिख रहा हूँ- मैं तुम्हें दस मिनट से देख रही हूँ. तुम और तुम्हारा बदन ज़रा भी नहीं हिला इस दौरान ... सिवाए तुम्हारी पैन्ट में बने उभार के!

इसके आगे की सारी बातें भी अंग्रेजी में हुई थीं लेकिन अन्तर्वासना हिंदी कथा साईट है, इसलिए मैं यहाँ सब हिंदी में ही लिखूंगा.

“अरे.. हाँ.. नहीं.. हाँ.. नहीं मैंने असली में ये सब कभी नहीं देखा है..” मैंने हकलाते हुए कहा.

“देखना चाहोगे ? ?” उसने अपने एक हाथ से मेरे लंड को सहलाते हुए कहा.

मुझे लगा कि मैं कोई सपना देख रहा हूँ और किसी भी टाइम मेरी आँख खुल जाएगी.

मैंने हकलाते हुए कहा- हाँ.

“मेरा नाम एना है, तुम्हारा नाम क्या है ?”

“सैम..” मैंने कहा.

वो मुस्कराई और मेरे कान में फुसफुसाकर कहा- मेरे पीछे आओ सैम.

वो मुझे अपनी कार में ले गयी, उसने पेसेंजेर साइड वाला दरवाज़ा खोला और सीट पर बाहर की तरफ मुँह करके बैठ गयी. उसने ज़ल्दी से मेरे पैन्ट की चैन खोली और मेरा

तन्नाता हुआ लौड़ा निकाल कर चूसने लगी. पहले धीरे फिर तेज़ और फिर धीरे.. इस तरह वो मेरे टोपे की जड़ में चारों तरफ जीभ फिराने लगी.

मैं दो मिनट में ही लावा छोड़ने के लिए तैयार हो गया. पहली बार कोई लड़की मेरा लौड़ा चूस रही थी और उसने मुझे पूरी तरह हिला कर रख दिया था. मुझे इतना मज़ा कभी नहीं आया था. उन क्षणों को बयां करना सम्भव ही नहीं है.

उसने मेरा लौड़ा पूरा गले तक अन्दर ले रखा था और तभी मैं झड़ने लग गया. पहली धार तो सीधे उसके गले में चली गयी. उसके बाद उसने लौड़ा थोड़ा बाहर निकाल दिया, जिस से वो मेरे माल को मुँह में ले कर चख सके.

मैंने चार बार भर भर के माल निकाला और उसके मुँह को पूरा भर दिया. मैंने देखा मेरा माल उसके मुँह से निकल कर गले तक बह रहा था. इतना माल आज से पहले मेरा कभी नहीं निकला था.

वो मेरा पूरा माल निगल गयी और चाट चाट कर मेरा लौड़ा पूरा साफ़ कर दिया.

फिर उसने गले तक जो माल बह गया था, उसको उंगलियों से पौँछा और बड़ी ही कातिलाना मुस्कराहट के साथ मेरी तरफ देखते हुए अदाओं के साथ एक एक करके उंगलियों को चाटने लगी.

इसके बाद हम उसकी कार में बैठ कर उसके फ्लैट की तरफ चल दिए. रास्ते में एक सिग्नल पर जब गाड़ी रुकी तो उसने कहा- यहाँ हाथ डालो.

मैं तो जैसे इंतज़ार ही कर रहा था, जैसे ही उसने ऐसा कहा, मैंने बिल्कुल वहीं हाथ डाला, जहां उसने बताया था और उसकी जांघों को सहलाते हुए हाथ ऊपर लेने लगा. मेरा हाथ उसकी चूत के होंठों तक पहुंच गया था. मैं पहली बार किसी लड़की की चूत को हाथ लगा

रहा था. उसकी चूत के होंठों पर ऊपर से ही उंगली रगड़ने लगा.

उसने कहा- अन्दर डालो.

तो मैंने अपनी पूरी एक उंगली अन्दर डाल दी और उसे उंगली से ही चोदने लगा.

पहली बार मेरे साथ ये सब हो रहा था तो उत्तेजना के मारे मेरा लौड़ा बुरी तरह तन्ना रहा था. तभी सिग्नल ग्रीन हो गया तो उसने अपने हाथ से पकड़ कर मेरी उंगली चूत से बाहर निकाल दी और कहा- अभी के लिए इतना काफी है.

हम उसकी बिल्डिंग में पहुंच गए थे और लॉबी में लिफ्ट का इंतज़ार कर रहे थे. उस समय मैंने पहली बार उसकी गांड को गौर से देखा. एकदम परफेक्ट गांड थी, उसकी गांड एकदम राउंड शेप में थी.

उसने मेरी तरफ घूमते हुए कहा- क्या देख रहे हो ??

“क्या मस्त गांड है यार..” मैंने कहा और उसकी गांड पर अपना हाथ फिराने लगा. मेरा हाथ पूरा फ़ैलाने के बाद भी उसकी गांड को पूरी तरह से नहीं ढक पा रहा था.

मैंने दिमाग में कल्पना कर ली थी कि मैं इसकी गांड कैसे मारूंगा. बिल्कुल वैसे ही जैसे पोर्न फिल्मों में गांड मारते हैं.

तभी लिफ्ट आ गयी थी और हम लिफ्ट के अन्दर आ गए थे. उसने तीसरे फ्लोर का बटन दबाया और लिफ्ट जैसे ही आधे रास्ते में आई, उसने स्टॉप वाला बटन दबा दिया.

लिफ्ट बीच में रोकने की वजह से अलार्म बजा और उसके साथ ही वो मेरी तरफ घूम कर अपने घुटनों पर आ गयी.. और एक झटके में उसने मेरी पेण्ट चड्डी सहित उतार दी और मेरा लौड़ा चूसने लगी.

मुझे अब भी यकीन नहीं हो रहा था कि एक घंटे पहले में उस पोस्टर वाली लड़की को

चोदने के सपने देख रहा था और अब वैसी ही हॉट लड़की मेरा लौड़ा चूस रही थी। ऊपर वाला जब देता है तो छुप्पर फाड़ के देता है, मुझे आज पता चल गया था।

वो मेरा लौड़ा चूस रही थी और एक हाथ से आंडों के नीचे उंगली फिरा रही थी। जिससे मेरी उत्तेजना सातवें आसमान पर पहुंच गयी थी। थोड़ी ही देर में मेरा ज्वालामुखी फट पड़ा और मैंने उसके ऊपर लावा बरसाना चालू कर दिया। उसके गाल, ठोड़ी पर मैंने लावे की बरसात कर दी थी।

मैंने इतना माल बरसाया कि उसकी ठोड़ी पर से बहता हुआ माल उसके मम्मों के ऊपर टपकने लगा। एना ने ऊपर देखा और मेरी तरफ देख कर मुस्कुराई। वो बोली- मुझे लड़कों का माल अपने मुँह पर लेना अच्छा लगता है। ऐसा कह कर उसने मेरी उंगली अपनी गीली हो रही चूत पर रख दी।

एना अपने हाथ से मेरा हाथ पकड़ कर चूत पर लेकर गयी थी तो मेरे हाथ से उसकी चूत पर रगड़ लग गयी और उसके मुँह से एक अआह निकल गयी। मैंने अपना हाथ उसकी चूत पर रगड़ना चालू कर दिया, तो एना “आह्ह उम्मह... अहह... हय... याह... उम्म आह्ह्ह..” की आवाजें निकालने लगी।

स्टॉप का बटन जो एना ने दबाया था, वो अपने आप बाहर आ गया और लिफ्ट चल दी। एना ने तुरंत मेरा हाथ अपनी चूत पर से हटाते हुए कहा- रुको। मेरी पैन्ट उस समय घुटनों तक नीचे थी और लंड महाराज बाहर फनफना रहे थे। लिफ्ट का दरवाज़ा खुला, उस समय वहां आस पास कोई नहीं था।

मैं उसी हालत में एना के फ्लैट के अन्दर चला गया और जैसे ही दरवाज़ा बंद हुआ उसने मेरे लौड़े को चूसना और हाथ से लंड की चमड़ी को आगे पीछे करना शुरू कर दिया। वो अपना ब्लाउज और जैकेट उतारने के लिए रुकी और कपड़े उतार कर वापस लौड़ा चूसने

लगी.

उसके मम्मे भी गज़ब थे यार.. एकदम पोर्न स्टार लग रही थी. मेरे लिए ये सब एकदम सपने जैसा था.

एना ने अब लौड़ा चूसना छोड़ कर मेरे लौड़े को अपने हाथों में कस कर पकड़ लिया और धीरे धीरे पूरा आगे पीछे करने लगी. मैं दो बार झड़ चुका था.. लेकिन मैं फिर से झड़ने के लिए तैयार हो गया.

मैंने एना से कहा- मैं झड़ने वाला हूँ.

तो उसने मिसाईल मतलब मेरे लौड़े का निशाना अपने मम्मों की तरफ कर दिया. पहला शॉट सीधा उसके मम्मों के बीच की घाटी में जा कर लगा, दूसरी धार उसके गले पर लगी और तीसरी धार सीधे उसके बाएं निप्पल पर जा कर लगी. एना ने मुझसे अपना निप्पल चाट कर साफ करने को कहा. मैं उसके बड़े से भूरे निप्पल को चाटने लगा और चाट चाट कर अपना माल पूरा साफ कर दिया.

इसके बाद हमने स्मूच किया और फिर एना उठ कर किचन की तरफ चली गयी. उसने एक कपड़े से अपने आपको साफ़ किया और फिर दोनों के लिए दो गिलास में पानी लेकर आई.

उसके मम्मे बिना ब्रा के भी एकदम तने हुए लग रहे थे और उसके एक एक कदम चलने के साथ ऊपर नीचे हो रहे थे. मुझे लगा कि साली इतनी मस्त माल है कि पूरी ज़िन्दगी इसे यहीं बैठ कर चोदता रहूँ.

खैर.. वो पानी लेकर आई और टेबल पर पानी रख कर वहीं कुर्सी पर बैठ गयी. मैंने भी अपना गीला लौड़ा चड्डी में डाला और पैन्ट चढ़ा कर बंद करके उसके पास जाकर बैठ गया.

उसने बताया कि वो एक डेंटिस्ट है और उसका तलाक हो चुका है. इस वक्त वो तीस साल की थी और उसके कोई बच्चे नहीं थे.

इसके बाद थोड़ी देर तक हमने बातें की, लेकिन बातें करते समय वो बोल रही थी और सांसें ले रही थी, तो उसके मम्मे ऊपर नीचे हो रहे थे.

मेरा उसे देख कर फिर से खड़ा हो गया. मैंने सोचा बातें करने के लिए तो और भी बहुत लोग हैं, लेकिन चोदने के लिए तो ये ही सही माल है और सही वक्त है, तो बातें छोड़ प्यारे.. और इसकी चूत चुदाई पर ध्यान दे.

मैंने आगे बढ़ कर उसके मम्मों पर हाथ फेरा और उन्हें पागलों की तरह चूसने चाटने और दबाने लगा. वो अभी भी कुर्सी पर ही थी और मैं घुटनों के बल नीचे बैठा था.

उसके मुँह से धीरे धीरे कामुक सिसकारियां निकल रही थीं.

थोड़ी देर तक मम्मों को चूसने के बाद मैंने उसके पेट और नाभि के आस पास चूमना चालू कर दिया. यूँ ही उसे चूसते चूसते मैंने उसकी स्कर्ट और पेंटी निकाल दी और चूत के आस पास जीभ फिराने लगा. वो अपने मुँह से कामुक और चुदासी आवाजें निकाल रही थी और मुझे बोल रही थी- आह.. खा ले मुझे.. आह चूसो राजा..
ये सब वो अंग्रेजी में ही कह रही थी.

वो मेरे मुँह को पकड़ कर अपनी चूत की तरफ दबा रही थी, जैसे मेरे पूरे सर को ही अपनी चूत में घुसेड़ लेगी. लेकिन मैंने एना को छोड़ा और पहले अपने कपड़े उतारने लगा. तो उसने कहा- क्या हुआ.. अचानक से हट क्यों गए??

मेरा लौड़ा स्साला पैन्ट में पड़ा पड़ा बहुत तेज़ दुखने लग गया था. मैंने सोचा इसको बाद में चोदेंगे, पहले तो लंड को आज़ाद करो.

कपड़े उतार कर मैं फिर से उसको चाटने चूसने लगा. तभी मैंने सोचा इसकी चूत को खाली करवाते हैं. इसके लिए मुझे उसके जी स्पॉट की तलाश थी. मैंने नेट पर बहुत पढ़ा था कि जी स्पॉट को कैसे ढूँढते हैं और कैसे लड़की का ओर्गास्म करवाते हैं.

आज ज्ञान को काम मैं लेने का दिन था. तो मैंने बीच की दो उंगलियां ऊपर की तरफ पलट कर चूत में डाल दीं और जैसा नेट पे मैंने पढ़ा था, वैसे जी स्पॉट ढूँढ कर उस पर उंगलियों से हरकत करने लगा.

उसका जी स्पॉट ढूँढने में थोड़ी मुश्किल हुई.. लेकिन आखिर मैंने ढूँढ ही लिया.

एना तो जैसे पागल हो गयी थी, मैं एक हाथ से उसके जी स्पॉट पर और दूसरे हाथ से उसकी चूत के दाने को मसल रहा था.

बस पांच मिनट में ही एना जोर जोर से सिसकारियां लेने लगी तथा उसने अकड़ते हुए ढेर सारा पानी छोड़ दिया. उसका इतना अधिक पानी निकला कि मेरे ऊपर, जिस कुर्सी पर वो बैठी थी उस पर, उसकी जाँघों से लेकर नीचे पैर तक और ज़मीन पर उसका पानी ही पानी फैल गया था.

मैं अभी भी नीचे ही बैठा हुआ था और एना अधखुली आँखों से मेरी तरफ मुस्कराते हुए देख रही थी.

इसके बाद मैं एना के कहने पर मैं उसको गोद में उठा कर बेडरूम में ले गया और उसे लेटा कर उसके ऊपर चढ़ गया.

इसके बाद एना ने खुद भी खुद अपनी टांगें खोल कर मुझे लंड पेलने का इशारा किया तो मैंने आसन में आते हुए अपना खड़ा लौड़ा एना की चूत में डाल कर मजा लेना शुरू कर दिया. मैंने उसे अगले 25 मिनट तक धकाधक चोदा. इस दौरान एना तीन बार झड़ी और आखिर में मैं भी उसके अन्दर ही झड़ गया.

इसके बाद एना ने मुझे अपना फ़ोन नंबर दिया और अपनी कार से मुझे घर तक छोड़ा. जब तक मैं वहां रहा मैंने एना को खूब चोदा, क्योंकि वहां किसी भी तरह की कोई रोक टोक नहीं थी कि घरवाले या मोहल्ले वाले ज्ञान दें. सो खूब बिंदास चुदाई का मजा मिला.

हां मेरे भैया थे, लेकिन वो कुछ नहीं कहते थे क्योंकि मैं घर पे नहीं होता था तो उन्हें भी अपनी गर्ल फ्रेंड को मकान पर लाकर चोदने का मौका मिल जाता था.

इसके बाद मैंने एक दिन भैया को उनकी गर्ल फ्रेंड की चुदाई करते देखा. फिर मैंने उनकी गर्ल फ्रेंड को कैसे चोदा, ये मैं अगली कहानी में बताऊंगा.

मैं अभी 3 दिन पहले ही यूएसए से वापस आया हूँ. एना से अब भी स्काइप पर सेक्स चैट होती है.

आपको मेरी कहानी कैसी लगी, आप मुझे इस ईमेल पर बता सकते हैं.

sam.malhotra1@hotmail.com

